



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 602]
No. 602]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 1, 1987/अग्राहायण 10, 1909
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 1, 1987/AGRAHAYANA 10, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

(कंपनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1987

1987 का आदेश संख्या - 3

का. आ. 1031(प्र).-- कंपनी विधि बोर्ड (न्यायपंठ) नियम, 1975 के नियम 2(क), 3 और 4 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 10क की उपधारा (4ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में कंपनी विधि बोर्ड के पूर्व जारी आदेशों के अधिग्रहण में कंपनी विधि बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, एतद्वारा निम्नलिखित न्याय पोंठों को इसके नीचे यथा चिनिदिष्ट अपनी शक्तियों और कार्यों के प्रयोग और निर्वहन के प्रयोजन हेतु गठित करना है:--

1. एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक पदार्थों अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2क के तहत उत्पन्न और इससे संबंधित सभी मामलों के संबंध में याचिकाओं पर श्री बी. के. दर, अध्यक्ष और

नई दिल्ली में बैठने वाले निम्नलिखित सदस्यों में से कोई दो या अधिक सदस्यों को गठित न्यायपंठ द्वारा विचार, निर्णय और निराकरण किया जायेगा:--

श्री अशोक चन्द्र, सदस्य

श्री आर. एन. बंसल, सदस्य

श्री एस. कुमार, सदस्य

श्री बी. के. मजोरा, सदस्य

श्री सी. आर. सुन्दरराजन, सदस्य

श्रीमती सरस्वती अक्लनन, सदस्य

श्री बी. पी. गुप्त, सदस्य

2. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 17, 18 और 19 के तहत उत्पन्न और संबंधित सभी मामलों के संबंध में और प्रतिभूति सविश (विनियमन) अधिनियम, 1956 में (1956 का 42) की धारा 22क के तहत उत्पन्न सभी मामलों के संबंध में कक्षा: पश्चिमी, पूर्वी, दक्षिणी तथा उत्तरी क्षेत्रों में पंजीकृत कंपनियों के संबंध में नीचे निरिष्ट बम्बई, कोलकाता,

मद्रास और नई दिल्ली में स्थित वॉर के कम से कम दो सदस्यों को गठित न्याय पीठ द्वारा विचार, निर्णय और निराकरण किया जाएगा :—

पश्चिमी क्षेत्र न्यायपीठ, बम्बई

श्री एस. कुमार, सदस्य (1) में विनिर्दिष्ट किसी सदस्य के साथ

पूर्वी क्षेत्र न्यायपीठ, कलकत्ता

श्रीमती सरस्वती अच्युतन, सदस्य (1) में विनिर्दिष्ट किसी सदस्य के साथ

दक्षिणी क्षेत्र न्यायपीठ, मद्रास

श्रीमती सरस्वती अच्युतन, सदस्य (1) में विनिर्दिष्ट किसी सदस्य के साथ

उत्तरी क्षेत्र न्यायपीठ, नई दिल्ली

श्री आर. एन. बंसल, सदस्य (1) में विनिर्दिष्ट किसी सदस्य के साथ

3. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 79, 141 और 186 के तहत उत्पन्न मामलों के संबंध में आवेदनों/प्राज्ञिकाओं और जारी निर्देशों तथा अन्तर्वादीय मामलों सहित अन्य सभी मामलों और कानूनी अधिनियम, 1956 की धारा 17, 18, 19 के अंतर्गत प्राज्ञिकाओं/आवेदनों के संबंध में निम्नलिखित सदस्य द्वारा एकल रूप से कार्यवाही की जायेगी।

पश्चिमी क्षेत्र न्यायपीठ, बम्बई

श्री एस. कुमार, सदस्य।

पूर्वी क्षेत्र न्यायपीठ, कलकत्ता

श्रीमती सरस्वती अच्युतन, सदस्य।

दक्षिणी क्षेत्र न्यायपीठ, मद्रास

श्रीमती सरस्वती अच्युतन, सदस्य

उत्तरी क्षेत्र न्यायपीठ, नई दिल्ली

श्री आर. एन. बंसल, सदस्य

4. न्यायपीठ अपने विवेक से भारत में के किसी भी अन्य स्थान पर अपनी बैठकें कर सकती है। यह आदेश इस आदेश की तारीख से लागू माना जायेगा।

[फा. सं. 3/7/87 - सं. एन.-5]

वा. एम. वाही, सचिव कंपनी विधि वॉर

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 1st December, 1987

Order No 2 of 1987

S.O. 1031(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4B) of Section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with Rules 2(e), 3 and 4 of the Company Law Board (Bench) Rules, 1975 and in pursuance of the Company Law Board's orders earlier issued in this behalf, the Company Law Board, with the previous approval of the Central Government, hereby constitutes the following Benches for the purpose of exercising and discharging its powers and functions as specified herein below:—

1. Petitions in respect of all matters relating to and arising out of section 2A of the Monopolies and Restrictive Trade

Practices Act, 1969 (54 of 1969) shall be considered decided and disposed off by a Bench consisting of Shri V. K. Dr. Chairman and any two or more of the following Members sitting at New Delhi :—

Shri Ashok Chandra, Member

Shri R. N. Bansal, Member

Shri S. Kumar, Member.

Shri V. K. Majotra, Member

C. R. Sundarajan, Member

Shrimati Saraswati Achyuthan, Member

Shri V. P. Gupta, Member.

2. Petitions/Applications in respect of all matters relating to and arising out of sections 17, 18 and 19 of the Companies Act, 1956 and in respect of matters arising out of Section 22A of the Securities Contract (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), shall be considered, decided and disposed off by a Bench consisting of not less than two members of the Board as specified hereinbelow sitting at Bombay, Calcutta, Madras and New Delhi in respect of companies registered in Western, Eastern, Southern and Northern region respectively:—

Western Regional Bench at Bombay

Shri S. Kumar, Member, alongwith any of the Members specified in (1).

Eastern Regional Bench at Calcutta

Shrimati Saraswati Achyuthan, Member alongwith any of the Members specified in (1).

Southern Regional Bench at Madras

Shrimati Saraswati Achyuthan, Member, alongwith any of the Members specified in (1).

Northern Regional Bench at New Delhi

Shri R. N. Bansal, Member, alongwith any of the Members specified in (1).

3. Applications/petitions in respect of matters arising out of section 79, 141 and 186 of the Companies Act, 1956 and all other matters including issue of directions and interlocutory matters thereto and in respect of petitions/applications under sections 17, 18, 19 of the Companies Act, 1956, shall be dealt with by following Member, sitting singly:—

Western Regional Bench, Bombay

Shri S. Kumar, Member.

Eastern Regional Bench, Calcutta

Shrimati Saraswati Achyuthan, Member.

Southern Regional Bench, Madras.

Shrimati Saraswati Achyuthan, Member.

Northern Regional Bench, New Delhi.

Shri R. N. Bansal, Member.

4. The Bench may, at its discretion hold its sittings at any other place in the Territory of India.

5. This Order shall come into force with effect from the date of this Order.

[F. No. 3/7/87-CL. V]

V. S. WAHI, Secy.
Company Law Board